समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

भारत बना दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था : जानिए आम लोगों को इससे क्या फायदा होगा ?

Publisher

Published on 26 May 2025

IMF की रिपोर्ट मे भारत की GDP 4.28 ट्रिलियन डॉलर से अधिक, तीसरी अर्थव्यवस्था बनने से अब जर्मनी सिर्फ एक कदम दूर।

नई दिल्ली: भारत ने अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर एक और बड़ी छलांग लगाई है। **अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)** की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, **भारत की अर्थव्यवस्था 4.286 ट्रिलियन डॉलर** को पार कर गई है। इसके साथ ही **भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था** बन गया है और जल्द ही जर्मनी को पछाड़कर **तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी** बनने की ओर अग्रसर है।

नीति आयोग के CEO **बीवीआर सुब्रमण्यम** ने इस रिपोर्ट की पुष्टि करते हुए कहा कि यह कोई अनुमान नहीं बल्कि **IMF** का आधिकारिक डेटा है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि यही गति बनी रही तो **अगले 2-3 वर्षों मे भारत जर्मनी को पीछे छोड़ देगा**।

दुनिया की टॉप 5 अर्थव्यवस्थाएं (2025-26 अनुमान):

१. **अमेरिका – 27.72 ट्रिलियन डॉलर**
२. **चीन – 17.79 ट्रिलियन डॉलर**
३. **जर्मनी – 4.52 ट्रिलियन डॉलर**
४. **भारत – 4.286 ट्रिलियन डॉलर**
५. **जापान – 4.186 ट्रिलियन डॉलर**

आम आदमी को इससे क्या फायदा ?

भारत की **जीडीपी के 4 ट्रिलियन डॉलर** पार करने का अर्थ है कि देश में **उत्पादन, सेवाएं** और **व्यापार** का कुल मूल्य इस आंकड़े तक पहुंच चुका है। इसका सीधा असर आम लोगों की **आर्थिक स्थिति, रोज़गार** के **अवसर, जीवन स्तर** और **निवेश** के अवसरों पर पड़ता है।

१. **नौकरियों मे वृद्धि**: जब **अर्थव्यवस्था तेज़ी से बढ़ती** है, तो रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं।
२. **निवेश मे इंजाफा : वैश्विक निवेशक भारत** की ओर आकर्षित होते हैं, जिससे **आर्थिक गतिविधियां** और तेज होती हैं।
३. **उपभोक्ता मांग मे वृद्धि :** देश में **खरीदारी और खपत बढ़ती** है, जिससे उद्योगों को फायदा होता है।
४. **जीवन स्तर मे सुधार : प्रति व्यक्ति आय मे वृद्धि** और **सामाजिक सेवाओं** तक बेहतर पहुंच मिलती है।

क्यों है ये उपलब्धि खास ?
भारत को **1 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी** बनने में 60 साल लगे, लेकिन उसके बाद ग्रोथ तेज़ रही:
१. **2014: 2 ट्रिलियन डॉलर**
२. **2021: 3 ट्रिलियन डॉलर**
३. **2025: 4.286 ट्रिलियन डॉलर**

जब दुनिया की कई अर्थव्यवस्थाएं मंदी या धीमी गति से बढ़ रही हैं, **भारत 6.2%** की दर से आगे बढ़ रहा है। वहीं, **जापान** जैसे देश सिर्फ **0.5%** की रफ्तार से आगे बढ़ रहे हैं।

अब भी है चुनौतियां:
हालांकि यह एक बड़ी उपलब्धि है, लेकिन भारत के सामने कुछ बड़ी चुनौतियां भी हैं:
१. **आय मे असमानता**
२. **बेरोजगारी**
३. **प्रति व्यक्ति आय मे कमी**
४. **आयात पर निर्भरता**
इन समस्याओं से निपटने के लिए सरकार को रणनीतिक सुधार करने होंगे।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.